पाठ 20. मैंने पहली पुस्तक खरीदी

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में स्व-जागरूकता का कौशल विकसित करना है ताकि वे अपनी पसंद व नापसंद की पहचान कर सकें। यह पाठ प्रसिद्ध कहानीकार धर्मवीर भारती के संस्मरण पर आधारित है। इसमें लेखक द्वारा पहली पुस्तक खरीदने की घटना का वर्णन किया गया है। इससे पता चलता है कि पुस्तक-प्रेम एक नशे से कम नहीं है, विशेषकर उन लोगों के लिए जिनका लगाव अध्ययन से होता है।

पाठ का सार

बचपन से ही लेखक के घर कई पत्रिकाएँ आती थीं जिन्हें पढ़ना लेखक का शौक था। माँ को चिंता रहती कि कहीं वह फेल न हो जाए। लेखक ने जी-तोड़ परिश्रम किया तथा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। इनाम में लेखक को अंग्रेज़ी की दो किताबें भी मिली थीं। पिता का देहांत होने के बाद लेखक के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रही। अतः लेखक पुस्तकालय में ही बैठकर खूब अध्ययन किया करते थे। एक बार लेखक की 'देवदास' फ़िल्म देखने की बहुत इच्छा हुई। लेखक ने अपनी माँ से अनुमति लेने के बाद भी फ़िल्म नहीं देखी तथा उसके बजाय 'देवदास' नामक पुस्तक ही खरीद ली। इस प्रकार लेखक ने अपने पैसों से अपने निजी पुस्तकालय की पहली पुस्तक खरीदी।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों से उनके अपने-अपने घरों के वातावरण के बारे में बातचीत करें। उनके माता-पिता/अभिभावक की अपेक्षाओं के बारे में पूछें। पत्र-पत्रिकाओं के बारे में उनकी पसंद-नापसंद के बारे में पता करें। पढ़ाई के महत्व की चर्चा करें। पुस्तकालयों की उपयोगिता की चर्चा भी की जा सकती है। फ़िल्मों के बारे में बताएँ कि अच्छी फ़िल्में किस प्रकार स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ संदेश भी देती हैं।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - उपसर्ग के विभिन्न रूपों जैसे उत्कर्षपरक व निषेधात्मक उपसर्गों की परिभाषा उदाहरणसहित बताएँ। ये उपसर्ग मूल शब्दों में जुड़कर किस प्रकार अर्थ-परिवर्तन करते हैं, यह बताएँ।
  - 'इक' व 'इत' प्रत्यय जुड़ने से मूल शब्दों में होने वाले बदलाव की ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - कुछ उदाहरण देते हुए पुस्तकों की उपयोगिता के बारे में चर्चा की जा सकती है।
  - हर बच्चे से उनके संस्मरण सुनें। सबसे रोचक संस्मरण पर चर्चा की जा सकती है।